विद्या भारती संकुल संवाद

।ॐ।।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
प. पू. सरसंघचालक डॉ. मोहन जी भागवत का विजयादशमी उत्सव (बुधवार, आश्विन शुक्ल दशमी, दि. 05 अक्तूबर 2022) के अवसर पर दिये गए उद्बोधन का मातृभाषा व शिक्षा पर अंश...

विश्व में आये अथवा लाये गये सभी बड़े व स्थायी परिवर्तनों में समाज की जागृति के बाद ही व्यवस्थाओं तथा तंत्र में परिवर्तन आया है। मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा देने वाली नीति बननी चाहिए यह अत्यंत उचित विचार है, और नयी शिक्षा नीति के तहत उस ओर शासन/प्रशासन पर्याप्त ध्यान भी दे रहा है। परन्तु अपने पाल्यों को मातृभाषा में पढ़ाना अभिभावक चाहते हैं क्या? अथवा तथाकथित आर्थिक लाभ अथवा Career (जिसके लिए शिक्षा से भी अधिक आवश्यकता उद्यम, साहस व सूझबूझ की होती है) की मृग मरीचिका के पीछे चली अंधी दौड़ में अपने पाल्यों को दौड़ाना चाहते हैं? मातृभाषा की प्रतिष्ठा की अपेक्षा शासन से करते समय हमें यह भी देखना होगा कि हम हमारे हस्ताक्षर मातृभाषा में करते हैं या नहीं? हमारे घर पर नामफलक मातृभाषा में लगा है कि नहीं? घर के कार्य प्रसंगों के निमंत्रण पत्र मातृभाषा में भेजे जाते हैं या नहीं?

नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कारण छात्र एक अच्छा मनुष्य बने, उसमें देशभक्ति की भावना जगे, वह सुसंस्कृत नागरिक बने यह सभी चाहते हैं। परन्तु क्या सुशिक्षित, संपन्न व प्रबुद्ध अभिभावक भी शिक्षा के इस समग्र उद्देश्य को ध्यान में रख कर अपने पाल्यों को विद्यालय महाविद्यालयों में भेजते हैं? फिर शिक्षा केवल कक्षाओं में नहीं होती। घर में संस्कारों का वातावरण रखने में अभिभावकों की; समाज में भद्रता, सामाजिक अनुशासन इत्यादि का वातावरण ठीक रखने वाले माध्यमों की, जननेताओं की तथा पर्व, त्यौहार, उत्सव, मेले आदि सामाजिक आयोजनों की भूमिका का भी बराबरी का महत्व होता है। उस पक्ष पर हमारा ध्यान कितना है? बिना उसके केवल विद्यालयीन शिक्षा कदापि प्रभावी नहीं हो सकती है।

विद्या भारती की तीन दिवसीय पर्यावरण संरक्षण कार्यशाला

बच्चों को पौधारोपण के साथ पौधों की देखभाल के लिए प्रेरित करें- गोपाल आर्य

पंजाब | जितेंद्रवीर सर्वहितकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी विद्या मंदिर सेक्टर- 71 मोहाली में 8 से 10 अक्टूबर 2022 तक विद्या भारती की तीन दिवसीय पर्यावरण संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न राज्यों से विद्या भारती संगठन के पर्यावरण संयोजकों ने भाग लिया। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के मुख्य राष्ट्रीय संयोजक गोपाल आर्य ने जल, वायु और मिट्टी को प्रदूषण से बचाने के वैज्ञानिक तरीके बताए और जल संरक्षण, भूमि संरक्षण एवं प्लास्टिक का प्रयोग कम से कम करने के सुझाव दिए। इसके साथ ही सौर ऊर्जा को अपनाने पर विशेष बल दिया गया। गोपाल आर्य ने कहा कि पौधारोपण से जरूरी पौधों की देखभाल करना है। पर्यावरण को बचाने की मुहिम को छात्रों के जरिए उनके परिवार तक पहुंचाया जाए। हमें बच्चों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी रक्षा करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। पर्यावरण विशेषज्ञ ओमप्रकाश मनौली ने आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों की जानकारी दी। कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों एवं गणमान्य लोगों ने हर्बल वाटिका में पौधारोपण भी किया। कार्यशाला के समापन पर सभी गणमान्य व्यक्तियों को औषधीय पौधे एवं शॉल भेंट की गई।

विद्या धाम में 'सर्वहितकारी सुरभि दिए' का लोकार्पण

'शिक्षा, संस्कार और स्वावलंबन' के मंत्र के साथ कार्य कर रही विद्या भारती: श्री गोविंद महंत

जालंधर | 'बलाचौर के पास 'ग्राम रत्तेवाल' में सर्वहितकारी शिक्षा समिति, पंजाब द्वारा 'सर्वहितकारी सुरभि दिए' का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। ये दिए 'देशी गाय के गोबर' से निर्मित किए जा रहे हैं। इन सुरभि दियों के द्वारा एक ओर रत्तेवाल के 30 परिवारों को रोजगार मिल रहा है तो दूसरी ओर देशी गाय के गोबर की उपयोगिता भी समाज में बढ़ने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिल रहा है।' ये शब्द विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री विजय सिंह नड्डा ने विद्या धाम के 'डा. अंबेडकर' सभागार में कहे। अवसर था 'सर्वहितकारी सुरभि दिए' के लोकार्पण कार्यक्रम का। इससे पूर्व रत्तेवाल गाँव में सुरभि दिए निर्माण से संबंधित एक छोटी फिल्म भी दिखाई गई। विजय नड्डा ने इन सुरभि दियों की जानकारी देते हुए कहा कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान का लक्ष्य उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ साथ समाज को उचित देना भी है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह प्रकल्प प्रारंभ किया गया है। आगे नड्डा ने कहा कि यह इस प्रकल्प के लिए रत्तेवाल के 'स्वामी राम कृष्ण तीर्थ' का पूर्ण सहयोग और आशीर्वाद प्राप्त है। स्वामी राम कृष्ण तीर्थ ने सर्वहितकारी शिक्षा समिति को इस प्रकल्प हेतु एक बड़ा भवन उपलब्ध करवाया है। रत्तेवाल वासियों को रोजगार मिले, इस दृष्टि से भी यह प्रकल्प पूर्ण सिद्ध हो रहा है। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविंद महंत ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के प्रयास पूरे देश में चल रहे हैं जिनमें लगभग दो लाख लोगों को रोजगार भी प्राप्त हुआ है। आगे बोलते हुए महंत ने बताया कि विद्या भारती 'शिक्षा, संस्कार और स्वावलंबन' के मंत्र साथ शिक्षा क्षेत्र में काम कर रही है।

विद्यालय में कौशल विकास : एक प्रयास ...

सरस्वती ग्रामोदय विद्यालय गोविंदनगर

मध्य प्रदेश | सरस्वती ग्रामोदय गतिविधि आधारित विद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों का विकास हो सके, इस हेतु से महती कार्य किये जा रहें है। विद्यालय परिवार कौशल विकास के लिये कृत संकल्पित है। हमारा प्रयास है कि विद्यालय का प्रत्येक छात्र किसी न किसी हस्त कौशल में निपुण हो सकें। इस हेतु से प्रशिक्षण कार्यशालायें एक साथ आयोजित की जा रही है जिससे विशेष शिक्षक तैयार हो सकें जो वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण कार्य करा सकें। कुछ विशेष पाठ्यक्रम विद्यालय द्वारा निर्धारित किये है, जिससे छात्र स्किल्ड हो सकें। इनमें प्रमुख है बाँस कला, माटीकला, बढ़ई, करीगरी, विद्युत कार्य, प्लम्बिंग, बेल्डिंग एवं कृषि कार्य।
उपरोक्त कार्यों में निपुणता हेतु श्रेष्ठ प्रशिक्षकों की आवश्यकता होती है। कुछ कार्य विद्यालय में वर्षभर संचालित होते है जैसे बढ़ई, विद्युत आदि इन कार्यों के संचालन के समय छात्रों को प्रशिक्षक के साथ संलग्न किया जा सकता है किन्तु निरंतरता विद्यालय में विद्युत संबंधी कार्य सिखाने के लिये प्रशिक्षक नियुक्त है। जिनके कालांश तय होने के साथ- साथ विद्युत कार्यशाला भी है जहाँ बच्चे

जारी...

प्रेक्टिकल तथा थ्योरी दोनों प्रकार का अध्ययन करते है। साथी ही घरों मे खराब हुये विद्युत उपकरण एवं विद्यालय के खराब उपकरणों को प्रशिक्षण के मार्गदर्शन में सुधारते भी है। मोटर वाइंडिंग का कार्य वस्तुत: अलग है किन्तु उसे भी विद्यालय में विद्युत कार्यशाला सेजोड़ा गया है। जहाँ घर पर खराब हुई कूलर पंखों आदि की मोटर वाइडिंग प्लंबिंग का कार्य जैसे नलों की टोटियाँ, दिवारों पर बोर्ड लगाना, पर्दे आदि के कार्य ग्रुप बनाकर छात्रों द्वारा ही किये जाते है। संस्था से संबंधित कृषि विज्ञान केन्द्र भी है जहाँ कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में बच्चे कृषि कार्यों की बारिकियों को समझते है एवं उनको प्रायोगिक रूप से करके भी देखते हैं जिससें कृषि संबंधी कौशल का का व्यावहारिक ज्ञान उन्हें प्राप्त होता है।

हमारे एक अन्य प्रकल्प ग्रामज्ञान पीठ के कारिगरों के माध्यम से बच्चे बाँसकला एवं माटीकला का व्यवहारिक प्रशिक्षण की प्राप्त कर रहें है जिसमें बाँस के डस्टबीन, लैंप, सजावटी सामान तथा मिट्टी से प्लेट, कुल्हड, कटोरी, मूर्ति एवं अन्य खिलौने बनाना सीखते है। विद्यालय में मेहंदी, रंगोली, सिलाई एवं पाककला जैसे दैनिक उपयोगी कौशलों के लिये समय-समय पर विशेष प्रशिक्षण आयोजित किये जाते है। विद्यालय में बेल्डिंग कार्यों के लिये भी वर्कषाप उपलब्ध है । जहाँ बैल्डिंग का कार्य सिखाया जाता है। वृहद कम्प्यूटर प्रयोगशाला है जिससे बच्चों को कोडिंग के साथ-साथ अन्य पी.टी.पी. का कार्य आदि के साथ-साथ हिन्दी, अंग्रेजी टाईपिंग सिखाई जाती है।

कौशलविकास के व्यवहारिक पाठ्यक्रमों से बच्चों में आत्मनिर्भरता आती है जो उन्हें आत्मविश्वास से भर देती है। जिससे जीवन की चुनौतियों का सामना करने में विद्यार्थी सक्षम बन पाते है।

प्रांतीय जनजाति प्रकल्प एवं छात्रावास बैठक, छत्तीसगढ़

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रांत में सरस्वती शिक्षा संस्थान की योजना से संचालित होने वाले जनजाति प्रकल्प एवं छात्रावास के अध्यक्ष, सचिव, अधीक्षक एवं प्राचार्यो की दो दिवसीय बैठक 7 व 8 अक्टूबर 2022 को रायपुर परिसर में हुई। इस दौरान जनजातीय छात्रावास एवं विद्यालयों में भैया-बहनों की विभिन्न उपलब्धियों, छात्रावास एवं प्रकल्प के दृढिकरण एवं उन्नयन आदि विषयों पर चर्चा की गई और आगामी 3 वर्षों में लक्ष्य पूर्ति के लिए योजना बनाई गई। इस अवसर पर विशेष रूप से संस्थान के अध्यक्ष जुड़ावन सिंह ठाकुर, प्रादेशिक सचिव विवेक सक्सेना, वनांचल शिक्षा सेवा न्यास के प्रांतीय सचिव चंद्र किशोर श्रीवास्तव एवं अ.भा. संयोजक सुहाश देशपांडे, प्रांतीय संगठन मंत्री डॉ. देव नारायण साहू, सह संगठन मंत्री राघवेंद्र जी, प्रांत प्रमुख गौरीशंकर कटकवार, प्रांत प्रमुख नरेश जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

बैठक में स्वामी रामतीर्थ छात्रावास सरभोका, श्रीकृष्ण चंद्र गांधी छात्रावास कसेकेरा, वनांचल शिक्षा सेवा प्रकल्प हीरानार, डीपाडीह कला, दीनदयाल वनवासी सेवा समिति मुंगेली द्वारा मार्गदर्शित भगवान महावीर बैगा बालक आश्रम अमेरा, डॉ. अम्बेडकर बालक छात्रावास डोंगरीगढ़, दीनदयाल छात्रावास कोदवागोडान आदि से 15 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

महाकौशल प्रांत में संस्कृति महोत्सव का आयोजन

विद्या भारती महाकौशल प्रांत ने प्रांत स्तरीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन पांडव नगर शहडोल में किया। इस अवसर पर विद्या भारती के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्रीराम आरावकर, विद्या भारती मध्य क्षेत्र के सह संगठन मंत्री डॉ. आनंद जी, शहडोल जोन के कमिश्नर राजीव शर्मा, विधायक जय सिंह जी मरावी, नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा के अखिल भारतीय संयोजक रविशंकर जी शुक्ला उपस्थित रहे।

उत्तर क्षेत्रीय बालिका शिक्षा बैठक, कुरूक्षेत्र : मुख्य बिंदु

प्रथम सत्र - बैठक का स्वरूप, उद्देश्य : श्रीमती कुसुम कौशल

शारीरिक, प्राणिक, मानसिक तथा बौद्धिक दृष्टि से परिपक्व बालिकाओं का विकास करना। नारी विशेष गुणों की धनी होती है। उसमें सृजन करने की क्षमता तथा पृथ्वी के समान धारण करने का सामर्थ्य होता है। नारी व पुरुष दोनों एक ही बीज के दो अंश हैं। इस विश्व को प्रगति की ओर ले जाने का दायित्व दोनों का समान ही है। संस्कार युक्त बालिका के विकास में परिवार का महत्वपूर्ण योगदान होता है। अतः परिवार प्रबोधन बालिका शिक्षा का एक मुख्य आयाम है। किशोरावस्था से जुड़ी समस्याओं का समाधान, नारी होने के गौरव का भान कराना, मातृत्व बोध, व्रतों, उत्सवों का वैज्ञानिक आधार बताना, संयुक्त परिवार की परंपरा का निर्वहन, बालिकाओं को उनके नैसर्गिक गुणों की पहचान कराना बालिका शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य है। विद्यालय इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु महत्त्वपूर्ण माध्यम है।

द्वितीय सत्र - वर्तमान परिदृश्य में बालिका शिक्षाः सुश्री रेखा चूड़ासमा

बालिका शिक्षा विद्या भारती का केन्द्रीय विषय है। इस विषय पर लगभग 35 वर्ष पूर्व चिंतन हुआ था। चिंतन का उद्देश्य था - बालिकाओं द्वारा गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा अर्जित करना व आत्मनिर्भर होना। यद्यपि आज की बालिका सभी क्षेत्रों में अग्रणी है लेकिन कैरियर की अंधी दौड़ में अपने नैसर्गिक गुणों से विमुख एवं महत्त्वाकांक्षी होती जा रही है । बालिका में ऐसे गुणों का विकास करने की आवश्यकता है जिससे वह अपने कैरियर और परिवार दोनों में समन्वय स्थापित कर सके।

तृतीय सत्र - दृश्य-श्रव्य(बालिका शिक्षा पाठ्यक्रम एवं गतिविधियां) : सुश्री रेखा चूड़ासमा

बालिका शिक्षा को विद्यालयों में लागू करने हेतु निर्धारित किए गए पाठ्यक्रम एवं गतिविधियों को पी.पी.टी. के माध्यम से दर्शाया गया। बालिका शिक्षा विषय को अतिरिक्त विषय के रूप में न लेकर पढ़ाए जाने वाले अन्य विषयों के साथ समेकित (Integrate) किया जाए। प्रेरक वीडियो क्लिप के माध्यम से बालिकाओं में मातृत्व भाव, वात्सल्य भाव एवं नैतिक मूल्यों को जागृत करना। विषय परिस्थितियों में स्वयं को सुरक्षित रखने हेतु बालिका द्वारा स्व-सुरक्षा के गुर सीखना।

चतुर्थ सत्र - राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं बालिका शिक्षाः श्री देशराज शर्मा

राष्ट्रीय शिक्षा यह नीति समाज में महिलाओं की विशिष्ट और महत्वपूर्ण भूमिका, वर्तमान व भावी पीढ़ियों के आचार-विचार को आकार देने में उनके योगदान को ध्यान में रखते हुए मानती है कि एसईडीजी की लड़कियों के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की व्यवस्था उनकी वर्तमान व आने वाली पीढियों के शैक्षिक स्तर को ऊपर उठाने का सर्वोत्तम तरीका होगा. यह नीति इस बात की सिफारिश करती है कि एसईडीजी विद्यार्थियों के उत्थान के लिए बनाई जा रही नीतियों और योजनाओं को इन समूहों की बालिकाओं पर केन्द्रित होना चाहिए। भारत सरकार सभी लड़कियों और साथ ही ट्रांसजेंडर छात्रों को गुणवत्तापूर्ण और न्यायसंगत शिक्षा प्रदान करने की दिशा में देश की क्षमता का विकास करनें हेतु एक 'जेंडर समावेशी निधि''का गठन करेगी ऐसे स्थान जहां विद्यालय तक आने के लिए छात्राओं को अधिक दूरी तय करनी पड़ती है वहां नवोदय विद्यालय के स्तर की तर्ज पर निःशुल्क छात्रावासों का निर्माण किया जाएगा, विशेषकर सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आने वाली बालिकाओं के लिए। इनमें लड़कियों की सुरक्षा की उपयुक्त व्यवस्था की जाएगी। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा तथा सामाजिक –आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों की बालिकाओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा वाले विद्यालयों (ग्रेड12 तक) में प्रतिभागिता बढ़ाने की दृष्टि से इन्हें और अधिक विस्तारित किया जाएगा।

पंचम सत्र- किशोरावस्था संभाल भावी सुखमय जीवन का आधारः श्री अवनीश भटनागर

बालिका के प्रति परिवार की सोच में काफी बदलाव आया है। बालिकाओं की शिक्षा व कैरियर के प्रति सजगता में वृद्धि होती जा रही है, लेकिन परिवार के प्रति दायित्वों में कमी आती जा रही है। समाज में होने वाले परिवर्तनों के कारण बालिका का रहन-सहन, खान-पान बदलता जा रहा है। वह स्वयं को'बहन जी ' जैसे विशेषणों से दूर रखना चाहती है। परिवर्तन की तेज आंधी में बालिकाओं को डटकर खड़े रहना सिखाना बालिका शिक्षा के माध्यम से सफलता पूर्वक किया जा सकता है। बालिकाओं में जागृति लाने हेतु विशेष क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियां प्राप्त कर चुकी महिलाओं के संघर्ष की कहानियां सुनानी चाहिए। जीवन विकास की यात्रा को यदि एक वृक्ष मान लें तो वृक्ष की जड़ जीवन के अनुभवों को,तना संस्कार व चरित्र निर्माण, फूल पत्तियां अच्छे बुरे के अनुभव एवं व्यक्तित्व विकास को परिलक्षित करते हैं। हमें किशोर बालक व बालिकाओं के समक्ष तर्क तथा वैज्ञानिक आधार प्रस्तुत करने होंगे तभी वे हमसे सहमत होंगे। सक्षम एवं संस्कारवान बालिका ही अपने परिवार को एकता के सूत्र में बांध कर रख सकती है।

षष्ठम सत्र- संगठनात्मक स्वरूप, बालिका शिक्षा की योजना व क्रियान्वयनः श्री सुरेन्द्र अत्री

किसी भी कार्य के सफल क्रियान्वयन हेतु संगठनात्मक स्वरूप, योजना बनाना तथा योजना को क्रियान्वित करना अत्यंत आवश्यक व महत्वपूर्ण है। संगठनात्मक संरचना के आधार पर आदेश एवं निर्णय ऊपर से नीचे की तरफ अर्थात विद्यालय स्तर तक जाते हैं तथा सुझाव एवं संशोधन विद्यालय स्तर से अखिल भारतीय स्तर तक पहुंचते हैं। कार्य को विस्तार देने हेतु प्रवास भी अत्यंत अनिवार्य है। प्रवास पर जाने से पूर्व हमारी पूरी तैयारी होनी चाहिए। विषय का गहन अध्ययन करना चाहिए। अपनी बात को प्रमाणित करने के लिए कुछ प्रेरक, तार्किक व व्यावहारिक प्रसंगों का प्रयोग करना चाहिए।

सप्तम सत्र- नए प्रयोगः सुश्री रेखा चूड़ासमा

बालिका शिक्षा के क्षेत्र में किए जाने वाले कुछ पूर्व प्रयोगों जैसे सरस्वती यात्रा(अनुभव आधारित शिक्षा), माता-पुत्री सम्मेलन, बालिका कक्षा-कक्ष की व्यवस्था व परामर्श केंद्र की विद्यालयों में बहुत उपयोगिता है। बालिका शिक्षा विषय को बालिकाओं और अभिभावकों तक पहुंचाने के लिए नित नए-नए प्रयोग करते रहना चाहिए।

अष्टम सत्र- कन्या भारती, बालिका परिषद गठन - सुश्री रेखा चूड़ासमा

29,30 सितंबर 2022 को जयपुर में आयोजित अखिल भारतीय चिंतन बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि विद्यालय की सभी बालिकाओं को उनकी रूचि के अनुसार निम्नलिखित 09 परिषदों में विभाजित करके कार्य को गति दी जाए:-

1.आहार एवं स्वास्थ्य परिषद 6.भारतीय परिवार एवं प्रबोधन
2. जीवनचर्या परिषद 7.जीवनशैली मे विज्ञान परिषद
3. स्व-सुरक्षा परिषद 8. भारतीय दर्शन एवं संस्कृति संवर्द्धन परिषद
4. ललित कला व उत्सव परिषद 9. समाज, संस्कृति एवं राष्ट्र बोध परिषद
5. कौशल विकास एवं आत्मनिर्भर परिषद

नवम सत्र- क्रिया शोध Action Research - डा. जितेंद्र जांगला

अध्यापन एक सतत प्रक्रिया है और परिवर्तन समाज का नियम है। समय कदाचित नहीं रुकता आने वाले बदलाव भी नहीं रुकते तकनीकी भी नए कलेवर में हमारे समक्ष आती रहती है ।अतः प्रत्येक शिक्षक को नई तकनीकी को सीखने का प्रयत्न करना चाहिए जिससे कि उसकी अध्यापन कला निखरती चली जाए। विज्ञान एवं तकनीक दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। जिस प्रकार बिना आत्मा के शरीर संभव नहीं उसी प्रकार विज्ञान भी बिना तकनीकी के अधूरा है, शिक्षा को हमें दैनिक जीवन से जोड़ना होगा। आने वाली समस्या का समाधान तभी संभव है जब हम उस समस्या की जड़ को ढूंढ़े। पढ़ाते समय हमें अपना उद्देश्य स्पष्ट रहना चाहिए। विद्यार्थियों को विषय को आत्मसात करवाना होगा जिससे कि उनकी सृजनात्मकता का विकास हो।शिक्षक स्वयं को तभी सफल समझें जब कक्षा का प्रत्येक विद्यार्थी उसके विषय को समझे तथा दैनिक क्रियाओं से विषय के सिद्धांतों को जोड़ सकें।अध्यापन के समय शिक्षक की दृष्टि में कक्षा का प्रत्येक छात्र रहना चाहिए तभी बालक की एकाग्रता विषय में रहेगी। शिक्षक को समय-समय पर स्व - मूल्यांकन करते रहना चाहिए। इसका सबसे अच्छा तरीका Action Research है।

प्रांत स्तरीय तीन दिवसीय गणित-विज्ञान मेला

विद्यार्थियों में वैज्ञानिक नवाचार को प्रोत्साहित करने का उद्यम है गणित विज्ञान मेला

विभिन्न प्रांतों मे आयोजित गणित विज्ञान मेले की झलकियां

विद्या भारती उत्तर बिहार का प्रांत स्तरीय तीन दिवसीय गणित-विज्ञान मेला सीवान के महावीरी सरस्वती विद्या मंदिर, में आयोजित किया गया।

मेले में उत्तर बिहार प्रांत के सभी 22 जिलों से सात प्रतिभागी विद्यार्थियों ने वैदिक गणित, विज्ञान एवं कंप्यूटर विषय से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और अपने मॉडल्स प्रदर्शित किए। इस अवसर पर लोक शिक्षा समिति बिहार के सचिव मुकेश नंदन ने कहा कि इस मेले का उद्देश्य विद्यार्थियों को गणित-विज्ञान के क्षेत्र में प्राचीन एवं अर्वाचीन उपलब्धियों से अवगत कराते हुए उनमें क्रिया आधारित अध्ययन, अवलोकन, अन्वेषण एवं संश्लेषण की प्रवृति का विकास करना एवं वैज्ञानिक नवाचार को प्रोत्साहित करना है। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिरुचि उत्पन्न करने और विकसित करने में विज्ञान मेले सहायक सिद्ध हो सकते हैं। इससे विद्यार्थियों में आत्म स्वावलंबन ओर आत्मनिर्भरता का भी विकास होता है। लोक शिक्षा समिति, बिहार के प्रांत प्रचार प्रमुख नवीन सिंह महावीरी सरस्वती विद्या मंदिर विजयहाता, सीवान ने प्राप्त किया।

बाल वैज्ञानिकों ने प्रस्तुत किए मॉडल्स

विद्या भारती के विद्यालयों में पढ़ने वाले बाल वैज्ञानिकों ने गंदे पानी को साफ़ करने की मशीन, कम्प्यूटर का इतिहास, कोयले का संरक्षण करने का वैज्ञानिक उपाय, दैनिक जीवन में रासायनिक चक्र, सड़क दुघर्टना रोकने वाला यंत्र, सौर ऊर्जा से संबंधित कई प्रयोगात्मक मॉडल प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

आशा रानी ज्ञानचंद जैन सरस्वती शिशु मंदिर, नया गांव, देहरादून का उन्नयन

आशा रानी ज्ञान चाँद जैन सरस्वती शिशु मंदिर, नायगाव पेलिओ, देहरादून में स्थित हैं! जो की ISBT देहरादून से 17km दूर हैं । 2017 -18 में विद्यालय बंद होने कगार पर था और वहा 11 छात्र रह गए थे । प्रान्त के अधिकारियों और पृथ्वीकुल फाउंडेशन की सहायता से विद्यालय को नई थीम पर चलाने की योजना बनी । जिसमे विद्यालय में निम्न कार्यो का क्रियान्वयन किया गया ।

1. आधारभूत संरचना

- मुख्य भवन: विद्यालय की मुख्य दीवारों पर भारतीय संस्कृति आधारित बैनर , पेंट व कुछ कला सम्बन्धी कार्य किया ।
- सामान्य क्षेत्र: विद्यालय के गैलरी एरिया में विभिन्न विषयों पर आधारित प्रदर्शनी को विकसित किया गया ! जिसमें भारत रत्न, परमवीर चक्र, सगीतज्ञ, खेल से जुड़े खिलाडी इत्यादि विद्यालय की स्थिति के अनुसार एक छोटा सामान्य रनिंग ट्रैक भी तैयार किया ।
- कक्षा कक्ष: विद्यालय के कक्षा कक्ष को जगल, समुद्र, अंतरिक्ष आदि की थीम पर तैयार किया गया जिसमे दीवरों पर को मैग्नेटिक बनाकर फ़्लैश कार्ड बनाये गए जो कि बस्ता रहित शिक्षा के क्रियाव्यन के लिए भी महत्वपूर्ण कदम हैं विद्यालय के फर्नीचर व छात्रों के बैठने की व्यवस्था पर भी कार्य किया गया।

2. हार्डवेयर

विद्यालय में आधुनिकतम टेक्नोलॉजी का भरपूर उपयोग होता हैं! विद्यालय में मोबाइल टेबलेट प्रोजेक्टर, प्रोजेक्टर, कंप्यूटर, लर्निंग कीटस (खेल, स्वास्थ्य - चिकित्सा, विज्ञान गणित और दिमागी खेल संगीत/ललित कला/नृत्य) आदि संस्धानों को जोड़ा हैं जिसका विद्यालय में सुचारु रूप से उपयोग होता हैं ।

3. प्लैनेटस्कूल पेडगोजी अपग्रेड

विद्यालय में निम्नलिखित शिक्षण पद्धतियों का उपयोग सामान्यतः होता हैं-

- प्री प्राइमरी: बैग फ्री एजुकेशन
- बहुभाषी: कई भारतीय और वैश्विक भाषाओं का तेजी से सीखना
- स्टेम: फिर से खोज, फिर से आविष्कार, परियोजनाओं, ओलंपियाड
- करियर: मेंटर्स, काउंसलिंग, रोल प्ले एक्टिविटीज, स्किल्स, पाथ गाइडेंस
- स्वास्थ्य: मासिक जांच (वजन/ऊंचाई/रोग/आंखें आदि)
- कला: नृत्य, संगीत, ललित कला: नमूना गतिविधि वीडियो, प्रतियोगिताएं
- ग्लोबल एक्सपोजर: अतिथि शिक्षक, ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आदि
- शारीरिक: खेल, फिटनेस आदि

4. सत्र 2017 -18 से एवं 2022 -23 तक छात्र संख्या ।

सत्र	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2022-23
छात्र संख्या	11	79	135	174	244

स्वावलंबी शिक्षा की ओर कदम

दुर्गावती हेमराज टाह सरस्वती विद्या मंदिर, नेहरू नगर, गाजियाबाद में मल्टी स्किल फाउंडेशन लैब

गाजियाबाद | आज जहां एक ओर शिक्षा का प्रचार-प्रसार हुआ तो वहीं दूसरी ओर बढ़ते मशीनीकरण के कारण रोजगार के अवसरों में कमी आई है। इसी रोजगार प्राप्ति हेतु व्यक्ति प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में शामिल हो रहा है। विद्यालय से निकलने के बाद विद्यार्थियों को बिना किसी प्रतिस्पर्धा की दौड़ में भागीदारी के आसानी से रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें, इसके लिए वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की आवश्यकता अनुभव की गई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में इस समस्या के समाधान के लिए वोकेशनल कोर्स के रूप में मल्टी स्किल फाउंडेशन कोर्स की व्यवस्था की गई है। इसमें बल दिया गया है कि प्रत्येक विद्यालय में मल्टी स्किल फाउंडेशन लैब बनाने के लिए कदम उठाए जाएं ताकि विद्यार्थी बौद्धिक ज्ञान के साथ-साथ तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर सके।

दुर्गावती हेमराज टाह सरस्वती विद्या मंदिर, नेहरू नगर, गाजियाबाद में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विद्यालय में एक मल्टी स्किल फाउंडेशन लैब की शुरुआत अप्रैल 2022 में की गई। इस लैब का उद्देश्य छात्रों में तकनीकी कौशल विकसित करना है। यह विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रारंभिक स्तर पर उनके तकनीकी कौशल को पहचानने में बहुत सहायता करता है। वर्तमान में विद्यालय में स्थापित लैब में चार विषय हैं –

1. एनर्जी एंड एनवायरमेंट –

वर्तमान में हम देखते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति पुराने तकनीकी और संसाधन को छोड़कर नई तकनीकी और संसाधन को अपना रहा है। आज मनुष्य आग और धुएं को छोड़कर विद्युत और इससे संचालित उपकरण की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में यह कोर्स घरों में प्रयोग किए जाने वाले बल्ब व पंखे, हीटर, कूलर, स्विच आदि से संबंधित तकनीकी ज्ञान प्रदान करने में सहायक है। वैसे इस कोर्स को सी.बी.एस.ई. शिक्षा में 9th स्टैंडर्ड से लागू किया जाता है लेकिन हमने छोटी कक्षाओं में एक्सपोजर हेतु इसकी शुरुआत की है। इससे छात्र अपने घर के छोटे-मोटे कार्य करने में कुशल होंगे और साथ ही र्यावरण को शुद्ध रखने में सहायक सिद्ध होंगे।

2. वर्कशॉप एंड इंजीनियरिंग टेक्निक्स –

इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी मैकेनिकल वर्क की बेसिक जानकारी प्राप्त करते हैं। इसमें विद्यार्थी मशीनों सहित, स्कूटी, मोटरसाइकिल, कार आदि को खोलने, बांधने व सुधारने में निपुणता हासिल करते हैं। लकड़ी का कार्य जैसे मेज, कुर्सी, पलंग, अलमारी बनाना, आरी, बसूला, रंदा, हथौड़ा, इंची टेप आदि का प्रयोग करना सीखते हैं। छात्रों को मकान, दुकान निर्माण व मरम्मत तथा ईंट, सीमेंट, रोड़ी, बदरपुर आदि के सही अनुपात में मिश्रण के बारे में भी जानकारी मिलती है।

3. फूड एंड प्रोसेसिंग टेक्निक्स –

विज्ञान के अनुसार हमें कैसा भोजन करना है, हमारे शरीर के लिए कितनी मात्रा में भोजन आवश्यक है, कौन से पोषक तत्व हमारे शरीर के लिए उपयोगी हैं, इन सब की सभी जानकारी छात्र इस कोर्स से प्राप्त करते हैं। साथ ही विद्यालय स्तर पर शुद्ध, सरल, सात्विक भोजन बनाने में निपुणता प्राप्त करते हैं।

4. गार्डनिंग-नर्सिंग एंड एग्रीकल्चर टेक्निक्स –

भारत एक कृषि प्रधान देश है लेकिन आज छात्रों में कृषि के प्रति रुझान कम हो रहा है। यह कोर्स छात्रों को कृषि की बेसिक जानकारी निराई, गुड़ाई व फसलों की बुआई, समय की जानकारी कराता है। इसके अलावा घरों में पौधे लगाना, उनको खाद-पानी तथा छटाई आदि करने में निपुण बनाता है। छात्र बीज लगाना व नए पौधे बनाना, नए पौधों की खोज तथा उन्नत किस्में तैयार करना सीखते हैं।

विद्यालय में स्थापित मल्टी स्किल फाउंडेशन कोर्स लैब विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर आत्मनिर्भर बनने का सुनहरा अवसर प्रदान करती है। विद्यार्थी अपने तकनीकी कौशल को पहचान कर नई-नई चीजें सीख रहे हैं। इस लैब से उन्हें भविष्य में अपनी रूचि के अनुसार कौशल का चुनाव करने में भी आसानी होगी। इस लैब से कौशल प्राप्त कर विद्यार्थी इंजीनियरिंग, होटल तथा कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त कर पाएंगे।

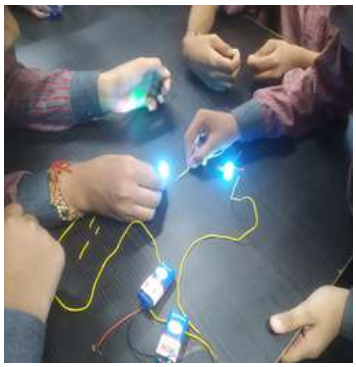

स्वर साधक संगम, 75 घोष दलों के तीन हजार बच्चों ने किया प्रतिभाग

"विश्व में गूंजे हमारी भारती, धन्य देश महान धन्य हिन्दुस्तान"

की मधुर ध्वनि से गूंज उठा स्टेडियम।

विद्या भारती ब्रज प्रदेश में बच्चों ने रचा नया इतिहास | बच्चों का अनुशासन देखकर दर्शक हुए आश्चर्यचकित | शिशु, बाल, किशोर, तरुण वर्ग के बच्चों ने किया प्रदर्शन

एटा। विद्याभारती ब्रज प्रदेश के इतिहास में प्रथम बार आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में गोविंद बल्लभ पंत स्टेडियम में ब्रज प्रांत के बरेली, आगरा, अलीगढ़ मण्डल में संचालित सरस्वती विद्या मंदिर, सरस्वती शिशु मंदिर एवं सरस्वती बालिका विद्या मंदिरों के 75 घोष दलों के 3000 बच्चों ने भाग लिया। सम्पूर्ण स्टेडियम उस समय तालियों की आवाज से गूंज उठा जब बच्चों ने विशेष प्रदर्शन करके समन्वय, एकाग्रता, नेतृत्व पर विश्वास, आत्मविश्वास, एकात्मता का मनोहारी दृश्य प्रस्तुत किया। यह गौरव की बात है कि सभी बच्चों ने भारतीय रचनाएं बजाकर विविध प्रकार सांस्कृतिक प्रतीकों को बनाकर अपनी कुशलता का परिचय दिया।

विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के सह संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र कुमार शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि साधना रुक नहीं सकती, साधना थकती नहीं है, यह खंडित भी नहीं होती। जीवन में रुकें नहीं। उन्होंने कहा हमारा राष्ट्रीय चरित्र और व्यक्तिगत चरित्र एक हो। हम दुनिया में कहीं भी रहें परंतु हमारे व्यवहार में मातृभूमि तथा ईश्वर के प्रति भाव प्रकट होता रहे।

घोष के वादकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया

गोपाल विद्या मंदिर के वैज्ञानिक छात्रों ने रचा इतिहास

हिमाचल के मुख्य मंत्री जयराम ठाकुर ने छात्रों को दिया 6 लाख का नकद पुरस्कार व 50 लाख की सीड फीडिंग

नए भारत का सपना साकार कर रहे हैं युवा वैज्ञानिक मेहनती विज्ञान

देश में वैज्ञानिक क्रान्ति का नया युग स्थापित करने के लिए केन्द्र सरकार उन वैज्ञानिक छात्रों का हर संभव सहयोग कर रही है जिनकी उन्हें आवश्यकता है। भारत अपने बलबूते पर नए प्रयोग कर अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर अपना लोहा मनवा रहा है। हमारा प्राचीन विज्ञान इस बात का साक्षी रहा है कि हम विज्ञान के क्षेत्र में पहले भी मजबूत थे और आज भी हम अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ अपनी उपस्थिति विश्व स्तर पर दर्ज करवा रहे हैं।

जींद | हर साल IIT मंडी हिमालयन स्टार्टअप चैलेंज का आयोजन कर रहा है। यह एक राष्ट्रीय चुनौती है जहां प्रतिभागी भारत के विभिन्न कोने-कोने से आते हैं। इसमें 4 राउंड होते हैं। जहां प्रतिभागियों को ग्रैंड फिनाले के लिए सभी राउंड क्लियर करने होते हैं। जीवीएम के एक छात्र (अमन कक्षा 12वीं) और पूर्व छात्रों ने उस कार्यक्रम में (शुभम, नवीन) ने भाग लिया। सर्चग्रैंड ने आईआईटी मंडी में आयोजित ग्रैंड फिनाले में विचारों और उपकरणों को प्रस्तुत किया। उन्हें सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप के लिए नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया और आगे के शोध के लिए फंड (6 लाख तक शोध और 50 लाख सीड फंडिंग) के लिए भी चुना गया। आईआईटी मंडी से इन्क्यूबेशन ऑफर लेटर भी मिला। यह पुरस्कार हिमाचल के मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर द्वारा दिया गया।

गोपाल विद्या मंदिर के दो पूर्व छात्र व एक वर्तमान वैज्ञानिक छात्र ने विद्या भारती के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से नया इतिहास लिख डाला। छात्रों की वैज्ञानिक सोच को आगे बढ़ाने के लिए विद्यालय शिक्षा के दौरान विद्या भारती द्वारा आयोजित विज्ञान मेलों में प्रतिभागिता कर और भारत सरकार द्वारा विद्यालयों को दी गई अटल टिंकरिंग लैब ने उनके सपनों को साकार रूप प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई। और उन्होंने नए भारत की कल्पना को साकार रूप देने के लिए स्टार्टअप नरेंद्र मोदी की सोच को आगे बढ़ाते हुए अपनी एक कंपनी बना डाली जिसमें उन्होंने कई नए प्रयोग किए इसमें एनर्जी सेविंग का कंसेप्ट, कई विश्वविद्यालय अपने हॉस्टल में प्रयोग कर रहे हैं जिससे बिजली की बचत सुचारू रूप से हो सके।

ऐसे उपकरणों का निर्माण करके यह वैज्ञानिक छात्र हर बार कुछ नया करने की होड़ में लगे रहते हैं। इसका श्रेय अपने विज्ञान अध्यापक नरेंद्र कुमार को देते हैं जो समय समय पर उनका मार्गदर्शन करते रहते हैं।

मालवा प्रांत ने शुरू किया स्वर्ण प्राशन अभियान

विद्या भारती मालवा प्रांत ने शिशु शिक्षा के अंतर्गत संपूर्ण प्रांत में स्वर्ण प्राशन अभियान प्रारंभ किया है। इसमें सर्वप्रथम सरस्वती शिशु मंदिर माणिकबाग ने और इसके पश्चात साईं नाथ कॉलोनी इंदौर, भोसले कॉलोनी देवास, मुखर्जी मार्ग देवास, हाटपिपलिया, शिप्रा विद्यालय इंदौर विभाग में 6 विद्यालयों में स्वर्ण प्राशन प्रारंभ किया गया। शाजापुर विभाग में जिला केंद्र आगर और उज्जैन विभाग में ढोढर विद्यालय में भी सुवर्णप्राशन प्रारंभ हुआ। 18 अक्टूबर 22 को पुष्य नक्षत्र होने पर मालवा प्रांत के 8 विद्यालयों ने एक साथ 502 शिशुओं का स्वर्ण प्राशन कराया। इसमें माणिकबाग विद्यालय में 76 बच्चों को, साईं नाथ कॉलोनी इंदौर ने 60 बच्चों को, हाटपिपलिया विद्यालय ने सबसे अधिक 105 बच्चों को, ढोढर विद्यालय ने 9 शिशुओं को, मुखर्जी मार्ग देवास में 100 शिशुओं को, भोसले कॉलोनी देवास में 30 बच्चों को, आगर में 50 और छपरा में 72 शिशुओं को स्वर्ण प्राशन कराया गया। आगामी दिसंबर और जनवरी माह तक संपूर्ण मालवा प्रांत के 15 जिलों में स्वर्ण प्राशन कराया जाएगा।

सामाजिक जागरूकता

हापुड बालिका छात्रावास के जनजाति समाज के इन बालिकाओ ने नवरात्रि का नौ दिन उपवास रखा।

सामाजिक समरसता

सढौरा (हरियाणा) | हरियाणा विद्या मंदिर के छात्र बस्ती दर्शन के लिए गए। हरियाणा विद्या मंदिर के बच्चों ने बस्ती के लोगों को फल, मिठाइयां, बच्चों के द्वारा निर्मित सज्जा का सामान एवं मिट्टी के दीपक बांटे। सभी बच्चों ने अपने अनुभव सांझे करते हुए बताया कि उन्हें इस प्रकार का कार्य करते हुए अत्यंत आनंद की अनुभूति हुई। बच्चों के अभिभावकों ने भी अधिक से अधिक फल, मिट्टी के दीए एवं मिठाइयां देकर बच्चों को प्रेरित किया कि वे इस प्रकार के कार्य करते रहें।"सामाजिक समरसता" के लिए उठाया गया यह कदम बालकों में समरसता, सेवा भावना एवं संस्कार का निर्माण करता है।

संवेदनशीलता जागरूकता अभियान

दिल्ली | गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर कक्षा तीन से आठ के छात्रों ने संवेदनशीलता जागरूकता अभियान के तीसरे चरण में मानव मंदिर गुरुकुल जैन आश्रम का भ्रमण किया। आश्रम की संचालिका आदरणीया साध्वी समता जी ने विद्यार्थियों को सदाचार, परोपकार व परिश्रम जैसे जीवन मूल्यों की जानकारी दी। बाद में विद्यार्थियों ने मजनूं का टीला का दौरा किया जहां पाकिस्तान से विस्थापित हिन्दू शरणार्थी परिवार रह रहे हैं। छात्रों ने दिवाली के अवसर पर खुशियां साझा करते हुए स्नेह व आत्मीयता के प्रतीक के रूप में उन्हें कपड़े, कंबल, खिलौने, फल, चॉकलेट, फ्रूटी, बिस्कुट, पुस्तकें आदि वितरित कीं। इस दौरान छात्रों ने सबके साथ नृत्य और भजन आदि गाकर अविस्मरणीय पल साझा किए। विस्थापित परिवारों के बच्चों ने भी गायत्री मंत्र आदि सुनाए। वापस आते समय गुरुद्वारे में रुककर गुरुग्रंथ साहिब को प्रणाम किया। संवेदनशीलता जागरूकता अभियान का आयोजन लक्ष्य विभाग प्रमुख रीता गुलाटी जी, आचार्य अनिल जी व राधा जी के सहयोग से किया गया।

विद्या भारती की उपलब्धियाँ : पूर्व छात्र

असम लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य प्रशासनिक सेवा हेतु चयनित विद्या भारती के पूर्व छात्रों को गुवाहाटी में सम्मानित किया गया।

सेवा क्षेत्र में योगदान हेतु पूर्व छात्र राष्ट्रपति से पुरस्कृत

भोपाल। सरस्वती विद्या मंदिर कोटरा, भोपाल के पूर्व छात्र भैया भूपेश पटेल के सेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य व योगदान हेतु उन्हें महामहिम राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति भवन में पुरस्कृत किया गया। इस विशेष उपलब्धि पर विद्यालय परिवार द्वारा अपने पूर्व छात्र भैया भूपेश पटेल का विद्यालय में अभिनंदन किया गया। इस पर श्री भूपेश बघेल ने छात्र/छात्राओं को राष्ट्र व समाज के उत्थान व नवनिर्माण तथा जन कल्याण हेतु सेवार्थ का आग्रह किया।

श्री बल्लभ महापात्र (के एल के सरस्वती बाल मंदिर, महरौली) ने जेईई-2022 (एडवांस) क्वालिफाई किया है और आई आई टी धनबाद कैंपस के लिए चुना है।

विद्या भारती विद्यालय सरस्वती शिशु मंदिर व सरस्वती विद्या मंदिर नानाकमता के पूर्व छात्र चन्द्रकान्त बगौरिया ने UPPCS 2021 में पाँचवी रैंक हासिल की ।

व्यास विद्या पीठम की पूर्व छात्रा- विस्मय मोहनदास राष्ट्रीय योग चैंपियनशिप के अधिकारी के रूप मे चयनित ।

आदर्श विद्या मन्दिर माध्यमिक सिवाना के पूर्व छात्र भैया आदित्य कुमार पुत्र श्री कमलेश कुमार जी मिश्रा ने कनिष्ठ अभियंता परीक्षा में राज्य स्तर पर प्रथम रेंक प्राप्त।

विद्या भारती की उपलब्धियाँ

शैक्षिक

विद्याभारती मध्य भारत की छात्रा भावना सिरसाम (रानी दुर्गावती बालिका छात्रावास रायसेन) को पत्र लेखन के लिये "मिनिस्ट्री आफ एजुकेशन भारत सरकार" के द्वारा दिल्ली बुलाकर किया सम्मानित किया गया।

झांसी में आयोजित अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता में शारदा सर्वहितकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने जीत हासिल की। चैंपियनशिप जीतने के लिए स्कूल की लड़कियों ने अंडर-14 और अंडर-9 आयु वर्ग की लड़कियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता जीतने वालीं शारदा स्कूल की छात्राएं। संवाद

खेलकूद

हाईस्कूल परीक्षा 2022 में प्राविण्यसूची में आए कु.भावना साहू एवं कु.नीलम केंवट का मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा सम्मान - सरस्वती शिशु मंदिर कसडोल - छत्तीसगढ़ प्रांत।

गोपाल विद्या मंदिर के पूर्व छात्र रोहित शर्मा व अभिषेक शर्मा ने गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों की योग प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन किया। आर्टिस्टिक ग्रुप योगासन में पुरुष वर्ग में अभिषेक व रोहित की टीम ने फाइनल मुकाबले में रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीतकर हरियाणा और जींद जिले का नाम रोशन किया है।

विद्या मंदिर विकास यात्रा समाचार जगत में स्थान

मोकलसर । कार्तिक कृष्णा अष्टमी, मंगलवार, पुष्य नक्षत्र, सिद्ध योग एवं अभिजीत मुहूर्त में विद्या भारती की विकास यात्रा के लेखन कार्यक्रम के तहत भगवान पार्श्वनाथ आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक मोकलसर की विकास यात्रा लेखन पोथी का शुभारंभ किया गया है। पुष्य नक्षत्र में आचार्य अशोक अवस्थी के पाण्डित्य में विधिवत पूजन के साथ विकास यात्रा पंजिका का लेखन प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में समस्त आचार्य बंधु भगिनी सहभागी हुए । व्यवस्थापक मुकेश कुमार सोनी द्वारा आचार्यों, सेवा व सफाई कर्मचारियों को संस्थान द्वारा उपहार व मिष्ठान्न भेंट किया गया व दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएँ दी गई।

समाचार पत्रों में विद्या भारती

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन, जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-65

ई-मेल: vbabss@yahoo.com, vbsamvad@gmail.com

वेबसाइट: www.vidyabharti.net

फेसबुक | ट्विटर | इंस्टाग्राम : vidyabharatiIN

Youtube: Vidya Bharati Akhil Bhartiya Shiksha Sansthan

फोन: 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126